**अध्याय 4: वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था **

4.1 वैश्वीकरण क्या है?

परिभाषा:
- **वैश्वीकरण** देशों के बीच अर्थव्यवस्थाओं, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके एक समग्र वैश्विक प्रणाली बनाने की प्रक्रिया है।

मुख्य विशेषताएँ:
- **व्यापार:** देश वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करते हैं (उदाहरण: भारत यूएस और यूरोप को कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर सेवाएँ निर्यात करता है)।
- **प्रौद्योगिकी:** उन्नत प्रौद्योगिकियों का साझाकरण (उदाहरण: वैश्विक सॉफ्टवेयर टूल्स को भारतीय आईटी कंपनियों द्वारा अपनाना)।
- **संस्कृति:** सांस्कृतिक प्रथाओं का प्रसार (उदाहरण: भारतीय जीवनशैली पर पश्चिमी संगीत, फैशन और फास्ट फूड का प्रभाव)।

एनसीईआरटी से उदाहरण:
- **व्यापार:** भारत द्वारा हस्तशिल्प और आईटी सेवाओं का निर्यात।
- **प्रौद्योगिकी:** वैश्विक संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग (उदाहरण: इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क)।
- **संस्कृति:** भारत में हॉलीवुड फिल्मों और मैकडॉनल्ड्स जैसे वैश्विक ब्रांडों की लोकप्रियता।

परीक्षा युक्ति:
- **वैश्वीकरण के प्रकटीकरण** पर प्रश्नों के उत्तर देते समय **एनसीईआरटी के उदाहरणों** पर ध्यान केंद्रित करें (उदाहरण: आईटी सेवाएँ, फास्ट फूड चेन)।

4.2 भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

वैश्वीकरण के लाभ

- **विदेशी निवेश:**
- बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (MNCs) भारत के आईटी, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश करती हैं (उदाहरण: भारत में माइक्रोसॉफ्ट कार्यालय स्थापित करना)।
- **सूत्र:** प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) = विदेशों से पूँजी प्रवाह।
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:**
- भारतीय उद्योगों द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाना (उदाहरण: वैश्विक कोडिंग मानकों का उपयोग)।
- **रोजगार के अवसर:**
- बीपीओ, आईटी और कॉल सेंटरों का विकास (उदाहरण: बेंगलुरु का "सिलिकॉन वैली")।

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

वैश्वीकरण की चुनौतियाँ

- **प्रतिस्पर्धा:**
- विदेशी उत्पाद (उदाहरण: चीन से सस्ते कपड़े) स्थानीय उद्योगों (जैसे भारतीय हथकरघा) को खतरा पैदा करते हैं।
- **सांस्कृतिक क्षरण:**
- वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव के कारण पारंपरिक प्रथाओं का ह्रास (उदाहरण: स्वदेशी कला रूपों में गिरावट)।
- **असमानता:**
- शहरी क्षेत्रों को ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक लाभ (उदाहरण: शहरों और गाँवों के बीच डिजिटल विभाजन)।

परीक्षा युक्ति:
- **संभावित प्रश्न:** *"वैश्वीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से कैसे प्रभावित किया है?"*
- लाभ और चुनौतियों दोनों के लिए **एनसीईआरटी के उदाहरण** (जैसे बीपीओ, एफडीआई) का उपयोग करें।

4.3 बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) और आउटसोर्सिंग की भूमिका

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (MNCs)

- **परिभाषा:** विभिन्न देशों में कार्यरत कंपनियाँ (उदाहरण: कोका-कोला, माइक्रोसॉफ्ट)।
- **भारत में प्रभाव:**
- बुनियादी ढाँचे में निवेश (उदाहरण: गुजरात में फैक्ट्रियाँ स्थापित करना)।
- रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (उदाहरण: भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षण)।

आउटसोर्सिंग

- **परिभाषा:** कार्य को विदेशी देशों को ठेके पर देना (उदाहरण: अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत में सॉफ्टवेयर विकास को आउटसोर्स करना)।
- **भारत के लिए लाभ:**
- रोजगार सृजन (उदाहरण: आईटी क्षेत्र में 20 लाख नौकरियाँ)।
- कौशल विकास (उदाहरण: वैश्विक सॉफ्टवेयर टूल्स में प्रशिक्षण)।
- **भारत के लिए चुनौतियाँ:**
- कम मजदूरी और खराब कार्य स्थितियाँ (उदाहरण: टियर-2 शहरों में कॉल सेंटर)।
- विदेशी बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता (उदाहरण: वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रति संवेदनशीलता)।

परीक्षा युक्ति:
- **मुख्य उदाहरण:** आउटसोर्सिंग के केस स्टडी के लिए **आईटी क्षेत्र** का उपयोग करें।
- **संभावित प्रश्न:** *"भारत के लिए आउटसोर्सिंग के फायदे और नुकसान क्या हैं?"*

© 2023-2025 Copyright SATHEE

4.4 वैश्वीकरण का संतुलन

नीतियों की आवश्यकता

- **स्थानीय उद्योगों की सुरक्षा:**
- विदेशी माल पर आयात शुल्क लगाना (उदाहरण: चीनी कपड़ों पर टैरिफ)।
- घरेलू उद्योगों को समर्थन (उदाहरण: हथकरघा बुनकरों को सब्सिडी)।
- **श्रमिकों की सुरक्षा:**
- न्यूनतम मजदूरी और श्रम कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करना।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूलन के लिए श्रमिकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम।

एनसीईआरटी उदाहरण:

- भारत सरकार की **"मेक इन इंडिया"** पहल घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु।
- **सूत्र:** संतुलन = (विदेशी निवेश + प्रौद्योगिकी) - (स्थानीय असमानता + सांस्कृतिक हानि)।

परीक्षा युक्ति:
- **महत्वपूर्ण बिंदु:** स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान से बचाने के लिए वैश्वीकरण को **सावधानीपूर्वक प्रबंधित** किया जाना चाहिए।
- **संभावित प्रश्न:** *"वैश्वीकरण को संतुलित करने और स्थानीय उद्योगों की रक्षा के लिए सरकार क्या उपाय कर सकती है?"*

मुख्य शब्दावली का सारांश:
- **वैश्वीकरण:** अर्थव्यवस्थाओं, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकियों का एकीकरण।
- **एमएनसी:** बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (जैसे माइक्रोसॉफ्ट, कोका-कोला)।
- **आउटसोर्सिंग:** विदेशों को कार्य ठेके पर देना (जैसे आईटी सेवाएँ)।
- **FDI:** प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (विदेशों से पूँजी प्रवाह)।

महत्वपूर्ण आरेख (घटकों का वर्णन):
1. **वैश्वीकरण प्रवाह चार्ट:**
- देश → व्यापार → वस्तु/सेवाएँ → प्रौद्योगिकी हस्तांतरण → सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
2. **भारत पर वैश्वीकरण का प्रभाव:**
- **सकारात्मक:** एफडीआई, आईटी विकास, रोजगार।
- **नकारात्मक:** असमानता, सांस्कृतिक क्षरण, प्रतिस्पर्धा।

अंतिम परीक्षा युक्ति:
- सदैव एनसीईआरटी से **उदाहरणों** (जैसे आईटी क्षेत्र, बीपीओ) को सैद्धांतिक अवधारणाओं से जोड़ें।
- **वैश्वीकरण के प्रभाव** और **एमएनसी की भूमिका** पर प्रश्नों का अभ्यास करें।

{}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

निम्नलिखित में से वैश्वीकरण की सबसे अच्छी परिभाषा कौन सी है?

1. [x] देशों के बीच अर्थव्यवस्थाओं, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके एक समग्र वैश्विक प्रणाली बनाने की प्रक्रिया।
2. [ ] राष्ट्रों के राजनीतिक एकीकरण की ओर एक आंदोलन।
3. [ ] अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधाओं को कम करने की एक रणनीति।
4. [ ] एक ही संस्कृति का वैश्विक स्तर पर प्रसार।

निम्नलिखित में से कौन सा वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषता नहीं है?

1. [ ] देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान।
2. [ ] वैश्विक संचार प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
3. [x] संस्कृतियों का बाहरी प्रभावों से पूर्ण अलगाव।
4. [ ] फास्ट फूड और संगीत जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं का प्रसार।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वैश्वीकरण का कौन सा लाभ है?

1. [ ] स्थानीय उद्योगों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा का खतरा।
2. [ ] वैश्विक प्रभावों के कारण सांस्कृतिक क्षरण।
3. [x] आईटी और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)।
4. [ ] घरेलू विकास के बिना विदेशी बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता।

भारत में वैश्वीकरण की कौन सी एक चुनौती है?

1. [x] सांस्कृतिक समरूपता के कारण पारंपरिक कला रूपों का नुकसान।
2. [ ] आईटी और बीपीओ क्षेत्रों का विकास।
3. [ ] शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच असमानता में कमी।
4. [ ] निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में कमी।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (एमएनसी) भारत में क्या भूमिका निभाती हैं?

1. [ ] वे मुख्य रूप से विकासशील देशों को माल निर्यात करती हैं।
2. [x] वे भारतीय उद्योगों में बुनियादी ढाँचे में निवेश करती हैं और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करती हैं।
3. [ ] वे केवल घरेलू उद्योगों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
4. [ ] वे देश में कुशल श्रम की आवश्यकता को कम करती हैं।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत के लिए आउटसोर्सिंग का कौन सा फायदा है?

1. [ ] विदेशी बाजारों पर बढ़ती निर्भरता।
2. [ ] स्थानीय रोजगार के अवसरों का नुकसान।
3. [x] आईटी क्षेत्र में 20 लाख नौकरियों का सृजन।
4. [ ] वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में गिरावट।

सामग्री के अनुसार एफडीआई का पूर्ण रूप क्या है?

1. [ ] फॉरेन डेट इन्वेस्टमेंट (विदेशी ऋण निवेश)।
2. [ ] फाइनेंशियल डेवलपमेंट इंडेक्स (वित्तीय विकास सूचकांक)।
3. [x] फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)।
4. [ ] फ्री डोमेस्टिक इन्वेस्टमेंट (मुक्त घरेलू निवेश)।

भारत में वैश्वीकरण को संतुलित करने के उपाय के रूप में किस नीति का उल्लेख किया गया है?

1. [ ] सभी आयात शुल्कों को समाप्त करना।
2. [x] घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए "मेक इन इंडिया" पहल।
3. [ ] सांस्कृतिक समरूपता को प्रोत्साहित करना।
4. [ ] स्थानीय उद्योगों के लिए सरकारी सब्सिडी को कम करना।

एनसीईआरटी से वैश्वीकरण का कौन सा उदाहरण दिया गया है?

1. [ ] स्थानीय हथकरघा उद्योगों में गिरावट।
2. [x] भारत का हस्तशिल्प और आईटी सेवाओं का निर्यात।
3. [ ] भारत में हॉलीवुड फिल्मों पर प्रतिबंध।
4. [ ] शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन में कमी।

असमानता के संदर्भ में सामग्री में वैश्वीकरण का कौन सा प्रभाव उजागर किया गया है?

1. [ ] विभिन्न क्षेत्रों में सांस्कृतिक प्रथाओं में एकरूपता।
2. [x] शहरों और गाँवों के बीच डिजिटल विभाजन।
3. [ ] आईटी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा में कमी।
4. [ ] विदेशी प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भरता। {}

© 2023-2025 Copyright SATHEE